>

Title : Need to ban the export of cotton yarn and ensure its availability to handloom and powerloom industries in Maharashtra.

श्री जयवंत गंगाराम आवले (लातूर): महोदय, महाराष्ट्र में प्याज का उत्पादन अत्यधिक मात्रा में हो रहा है, इसके कारण प्याज का मूल्य काफी नीचे आ गया है , प्याज को निर्यात करने का सरकार का फैसला स्वागतयोग्य है । मगर महाराष्ट्र समेत संपूर्ण देश की सूत मीलों पर भारी संकट खड़ा हो गया है । किसानों के पास कपास उपलब्ध नहीं है । कपास निर्यात होने से यह संकट पैदा हुआ है जिसका फायदा किसानों को न होकर व्यापारियों को हो रहा है, क्योंकि किसानों का सारे कपास का उत्पादन इन व्यापारियों ने एकत्र कर रखा है । यही वजह है कि सूत मालिकों से पावर लूम को पर्याप्त मात्रा में सूत नहीं मिलने से यहाँ के मजदूरों का रोजगार संकट में पड़ गया है । मील मजदूर बेरोजगार हो रहे हैं, जिसका सबसे बड़ा कारण है कपास का निर्यात और इसी वजह से कपास का भाव जो रूपए 25,000/- खंडी था वो बढ़कर रूपए 58,000/- खंडी हो चुका है ।

अतः सरकार से मेरी पुरजोर मांग है कि कपास का निर्यात तुंत बंद किया जाए तथा देश की सभी मिलों में सूत की पर्याप्त मात्रा में भरपाई होना बहुत आवश्यक है । जब तक यह पूर्ति नहीं होती तब तक कपास का निर्यात बिल्कुल ठीक नहीं है तथा कपास का निर्यात बिल्कुल बंद किया जाए और मील मजदूरें को बेरोजगार होने से बचाया जाए।